भ्रमण आख्या जनपद– सोनभद्र, दिनांकः 21.09.2016 एवं 22.09.2016

भ्रमणकर्ता–

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई की सपोर्टिव सुपरविजन की टीम जिसमें निम्नांकित सदस्य है–

1. डा0 पंकज सक्सेना– उप महाप्रबन्धक, प0क0।
2. डा0 पी0के0 गंगवार– सलाहकार एन0सी0डी0।
3. श्री वेद प्रकाश त्रिपाठी– पी0सी0आई0ई0सी0।

एवं

जिला स्तर से–

1. डा0 डी0के0 सिंह, उप मुख्य चिकित्साधिकारी।
2. श्री संतोष कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक।
3. श्रीमती सुनीता कुमारी, जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक (दिनांकः 21.09.2016)।

सामान्य विवरण–

जनपद सोनभद्र प्रदेश का जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से विरल परन्तु क्षेत्रफल की दृष्टिकोंण से प्रदेश का द्वितीय, सीमान्त एवं दूरस्थ जनपद है जिसकी सीमाएं निकटवर्ती प्रदेशों बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड से मिलती है। जनगणना 2011 के अनुसार जनपद की जनसंख्या 1862612 है जनपद में 03 तहसील व 08 ब्लाक है। जनपद की जनसंख्या को 01 जनपद स्तरीय तथा 01 तहसील स्तरीय संयुक्त चिकित्सालय, 01 प्रसवोत्तर केन्द्र, 06 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 02 ब्लाक स्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 25 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 173 उपकेन्द्र तथा 01 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही है।

दिनांक– 20.09.2016 को राज्य स्तरीय टीम द्वारा जनपद आगमन के बाद अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 बी0के0 अग्रवाल, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 डी0के0 सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं जिला लेखा प्रबन्धक के साथ बैठक की गयी जिसमें जनपद की स्वास्थ्य प्रगति के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। तदोपरान्त अगले दिन के भ्रमण कार्यक्रम की योजना भी विचारित की गयी।

भ्रमण आख्या दिनांकः 21.09.2016

सामु0स्वा0केन्द्र म्योरपुर–

सामु0स्वा0केन्द्र म्योरपुर टी0एस0यू0 सहायतित एफ0आर0यू0, एल0– 3 इकाई है, जिसके प्रभारी डा0 राजीव रंजन के अतिरिक्त केन्द्र पर 01 अन्य चिकित्सक डा0 फिरोज आबदीन तैनात है। जिनके द्वारा जिला अस्पताल में मिनीलैप का प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है।

1. प्रसव कक्ष–

कक्ष में एन0बी0सी0सी0 का रेडिएन्ट वार्मर अक्रियाशील पाया गया। मानक के अनुसार 05 ट्रेज सुसज्जित पाये गये किन्तु ट्रेज के कई उपकरण मानकों के अनुरूप नहीं पाये गये। उपकरणों के विसंक्रमण की व्यवस्था भी मानक अनुरूप नहीं है। प्रसव कक्ष में 03 स्टाफ नर्स की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगायी गयी है। जे0एस0वाई0 लाभार्थी हेतु प्रयोग की जा रही बी0एच0टी0 अपूर्ण पायी गयी। इस सम्बन्ध में तैनात स्टाफ नर्सेज को बी0एच0टी0 के कॉलम की महत्ता के बारे में बताया गया। माह में 69 प्रसव हुये हैं, जिसमें 01 मृत जन्म है। प्रसव कक्ष में तैनात संविदा ए0एन0एम0 द्वारा नवजात शिशुओं का टीकाकरण किया जा रहा है परन्तु मात्र 31 नवजात शिशुओं को ही तीनों एन्टीजन की शून्य डोज प्रदान की गयी है।

2. परिवार कल्याण सेवाएं–

परिवार कल्याण सेवाओं में स्टाफ नर्स सरोज खान पी0पी0आई0यू0सी0डी0 विधा में प्रशिक्षित हैं और उनके द्वारा माह में 05 पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगायी गयी हैं, जबकि प्रसव 69 है। इसके अतिरिक्त बन्ध्याकरण सेवाएं सामु0स्वा0केन्द्र पर अभी तक प्रदान नहीं की गयी है। डा0 राजीव रंजन एन0एस0वी0 विधा में प्रशिक्षित सेवा प्रदाता हैं और उनके द्वारा अन्य केन्द्रों पर जाकर एन0एस0वी0 की जाती है। होम डिलिवरी ऑफ कान्ट्रासेप्सन थ्रू आशा तथा आशा प्रोत्साहन राशि योजना की प्रगति परिलक्षित नहीं होती है।

3. टीकाकरण–

सामु0स्वा0केन्द्र द्वारा आच्छादित क्षेत्रफल अधिक होने की स्थिति में कोल्डचेन को 05 जगह विभक्त किया गया है। सामु0स्वा0केन्द्र की स्वयं की कोल्डचेन ए0बी0आर0टी0 परिसर म्योरपुर में स्थापित की गयी है। सम्बन्धित रिकार्ड भी ए0बी0आर0टी0 परिसर में उपलब्ध बताया गया जिसका अवलोकन नही किया जा सका।

4. कम्युनिटी प्रोसेस–

प्रवीण कुमार भारती, बी0सी0पी0एम0 पद पर तैनात है। कलस्टर मीटिंग से सम्बन्धित अभिलेख अवलोकनार्थ उपलब्ध नहीं कराये गये। अपितु जानकारी दी गयी कि कलस्टर बैठक से सम्बन्धित समस्त अभिलेख व रिकार्ड म्योरपुर के नवीन प्रा0स्वा0केन्द्र बीजपुर पर रखे गये है। आर0के0एस0 से सम्बन्धित अभिलेख फार्मासिस्ट के हड़ताल पर होने के कारण उपलब्ध नहीं कराये गये।

5. वित्तीय व्यवस्था–

म्योरपुर के प्रपत्र– 2 एवं प्रपत्र– 3 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य एवं एडिशनलिटी मद की विभिन्न गतिविधियों मे भुगतान किया गया है। परिवार कल्याण कार्यक्रम के मद में इस वित्तीय वर्ष में किसी प्रकार का भुगतान नहीं किया गया है। माह अगस्त, 2016 तक के आशा भुगतान का औसत रू0 1703/– जिले के औसत रू0 1423/– से अधिक है।

जननी सुरक्षा योजना में ब्लाक म्योरपुर में वित्तीय वर्ष 2016–17 के माह सितम्बर, 2016 तक कुल संस्थागत प्रसव 1017 के सापेक्ष 70 लाभार्थियों का भुगतान लम्बित है तथा गत् वर्ष 2015–16 के लम्बित भुगतान 266 के सापेक्ष 158 का भुगतान किया जा चुका है। प्रभारी द्वारा अवगत कराया गया कि शेष 108 केसों का भुगतान निकटवर्ती प्रदेश के लाभार्थी होने के कारण सम्भव नहीं हो पा रहा है।

म्योरपुर में एक्सरे मशीन स्थापित है, परन्तु अक्रियाशील है। एक्सरे टेक्नीशियन की भी तैनाती नहीं है।

आर0बी0एस0के0 की 2 टीम केन्द्र पर तैनात है, एक टीम ग्राम पाती भ्रमण पर गई थी

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस–

1. ग्राम कांचन, उपकेन्द्र किरबिल–

प्राथमिक विद्यालय कांचन पर सत्र आयोजित किया जा रहा था, जहां पर आंगनवाड़ी एवं आशा, ए0एन0एम0 की सहायता हेतु उपस्थित थीं। पोषाहार वितरित किया जा रहा था। आशा एवं ए0एन0एम0 द्वारा ड्यूलिस्ट तैयार किया गया था जिसके अनुसार भ्रमण समय 12:50 बजे तक किसी भी गर्भवती महिला को टी0टी0 नहीं लगाया गया था, जबकि 03 महिलाओं को टी0टी0 की द्वितीय डोज दी जानी थी। सत्र स्थल पर गर्भवती महिलाएं व धात्री महिलाएं उपस्थित थीं। महिलाओं में परिवार नियोजन के साधनों के बारे में जानकारी का अभाव था। आशा के अपेक्षित दायित्वों के निर्वहन में कुशलता की कमी प्रतीत हुयी। माड्यूल 6 एवं 7 में प्रशिक्षित होने के बावजूद एच0बी0एन0सी0 के निर्धारित भ्रमण नहीं किये जा रहे है। आशा का समुदाय में अपेक्षित स्वीकार्यता में कमी पायी गयी। गर्भवती महिला जिलकत पत्नी रामधुनी धात्री महिला फूलमती पत्नी बालगोविन्द, रामरती जिनके द्वारा दिनांकः 28.08.2016 को म्योरपुर सामु0स्वा0केन्द्र पर प्रसव कराया गया था तथा गुलपत देवी पत्नी रामरूप जिनके बच्चे की उम्र 14 माह है तथा रोशनी पत्नी अमृतलाल जिनका प्रसव घर पर हुआ है से साक्षात्कार किया गया जिसका विवरण संलग्नित चेकलिस्ट में अंकित किया गया है।

2. ग्राम धरतीडाड़, उपकेन्द्र नधिराः–

ए0एन0एम0 सुमित्रा देवी द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ती भोला देवी एवं आशा के सहयोग से सत्र का संचालन किया जा रहा था। गर्भवती, बच्चों एवं किशोरियों की ड्यूलिस्ट अधुनान्त की जा रही थी। गर्भवतियों के पेट की जांच हेतु एक चादर लगाकर जांच की जा रही थी। आशा के साथ घर घर भ्रमण किया गया जिसमें गर्भवती महिला गीता पत्नी संदीप धात्री महिला प्रमिला पत्नी प्रदीप जिनके द्वारा दिनांकः 24.06.2016 को म्योरपुर सामु0स्वा0केन्द्र पर प्रसव कराया गया था तथा ललिता पत्नी राजेश जिनके बच्चे की उम्र 1.5 वर्ष है से साक्षात्कार किया गया जिसका विवरण संलग्नित चेकलिस्ट में अंकित किया गया है। श्रीमती ललिता द्वारा दूसरे बच्चे के बाद नेहरू हास्पिटल नार्दन कोल्ड फील्ड में प्रसव पश्चात् आइ0यू0डी0 लगवाया गया है। भ्रमण से यह प्रतीत होता है कि क्षेत्र में परिवार नियोजन साधनों के संबन्ध में समुदाय में जानकारी है, परन्तु दूरस्थ क्षेत्र होने की स्थिति में अस्थायी साधनों का प्रयोग किया जा रहा है।

3 :–ग्राम हथियार, उपकेन्द्र चपकी, ब्लाक बभनी–

ए0एन0एम0 रत्ना विश्वास द्वारा आशा बिन्द्रावती के सहयोग से सत्र का संचालन किया जा रहा था। गर्भवतियों महिलाओं के पेट की जांच हेतु निर्धारित स्थान था परन्तु प्राइवेसी का ध्यान नहीं रखा गया था। सत्र पर हेपेटाइटस–बी0 एवं आई0पी0वी0 उपलब्ध नहीं थी। आशा के साथ घर घर भ्रमण किया गया जिसमें धात्री महिला प्रभावती पत्नी द्वादस, लीलावती पत्नी लल्लन सिंह जिनके द्वारा उपकेन्द्र चपकी पर प्रसव कराया गया था तथा राजकुमारी पत्नी रामा जिनका प्रसव घर पर हुआ है एवं किशोरी सुनीता तथा फूलकुंवर के परिवार से साक्षात्कार किया गया। जिसका विवरण संलग्नित चेकलिस्ट में अंकित किया गया है। भ्रमण से यह प्रतीत होता है कि क्षेत्र में परिवार नियोजन साधनों के संबन्ध में समुदाय में जानकारी है, परन्तु दूरस्थ क्षेत्र होने की स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक प्रयोग नहीं किया जा रहा है।

सामु0स्वा0केन्द्र बभनी–

भ्रमण के समय उपस्थित चिकित्सक डा0 कुमार वरूणा निधि द्वारा यह बताया गया कि इस केन्द्र पर पिछले डेढ़ माह से बिजली आपूर्ति बाधित है, जिसके कारण अस्पताल व्यवस्था के सुचारू संचालन नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है। ब्लाक लेखा प्रबन्धक का पद रिक्त है जिस कारण काफी भुगतान लम्बित हैं, तथा आशाओं सहित अन्य सम्बन्धित लोगो में आक्रोश व्याप्त है। अंधेरे के कारण निरीक्षण का कार्य पूर्ण नहीं किया जा सका। उपरोक्त स्थिति से मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया।

भ्रमण आख्या दिनांक– 22.09.2016

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ककराही–

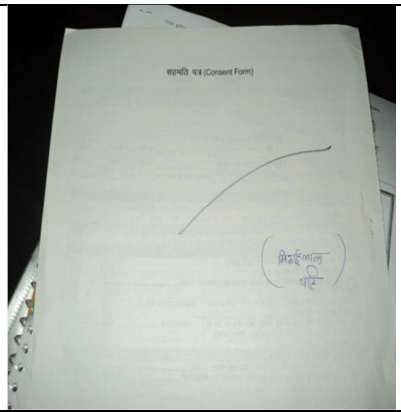

प्रा0स्वा0केन्द्र ककराही टी0एस0यू0 सहायतित एल0– 2 इकाई है, जिसके प्रभारी डा0 एस0के0 चतुर्वेदी के अतिरिक्त केन्द्र पर 01 अन्य चिकित्सक डा0 ए0के0 चौहान तैनात है। इसके अतिरिक्त मेनस्ट्रिमिंग आफ आयुष के अन्तर्गत पुरूष चिकित्सक डा0 अरूण चौबे एवं महिला चिकित्सक डा0 श्वेता सिन्हा तैनात हैं जिनके द्वारा ओ0पी0डी0 देखी जा रही है। आयुष फार्मासिस्ट अन्यत्र सम्बद्ध किया बताया जाता है।

प्रसव कक्ष–

कक्ष में एन0बी0सी0सी0 का रेडिएन्ट वार्मर क्रियाशील पाया गया। मानक के अनुसार 05 ट्रेज सुसज्जित पाये गये किन्तु ट्रेज के कई उपकरण मानकों के अनुरूप नहीं पाये गये। उपकरणों के विसंक्रमण की व्यवस्था भी मानक अनुरूप नहीं है। प्रसव कक्ष में 03 स्टाफ नर्स की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगायी गयी है। जे0एस0वाई0 लाभार्थी हेतु प्रयोग की जा रही बी0एच0टी0 अपूर्ण पायी गयी। इस सम्बन्ध में तैनात स्टाफ नर्सेज को बी0एच0टी0 के कॉलम की महत्ता के बारे में बताया गया। माह में 87 प्रसव हुये हैं, जिसमें 01 मृत जन्म है। प्रसव कक्ष में तैनात ए0एन0एम0 द्वारा नवजात शिशुओं का टीकाकरण किया जा रहा है परन्तु मात्र 60 नवजात शिशुओं को ही तीनों एन्टीजन की शून्य डोज प्रदान की गयी है।

6. परिवार कल्याण सेवाएं–

परिवार कल्याण सेवाओं में डा0 एस0के0 चतुर्वेदी मिनीलैप विधा में प्रशिक्षित हैं, परन्तु बन्ध्याकरण दिवस का आयोजन नहीं किया जा रहा है। इस अवधि में केन्द्र पर केवल 05 आई0यू0सी0डी0 लगायी गयी है। होम डिलिवरी ऑफ कान्ट्रासेप्सन थ्रू आशा तथा आशा प्रोत्साहन राशि योजना की प्रगति परिलक्षित नहीं होती है।

7. टीकाकरण–

प्रा0स्वा0केन्द्र की कोल्डचेन जिला मुख्यालय पर स्थापित है। सम्बन्धित रिकार्ड भी जिला मुख्यालय पर उपलब्ध बताया गया जिसको अवलोकित नहीं किया जा सकता।

8. कम्युनिटी प्रोसेस–

अमरनाथ यादव, बी0सी0पी0एम0 पद पर तैनात है परन्तु प्रशिक्षण पर वाराणसी में होने की स्थिति में कम्युनिटी प्रोसेस से सम्बन्धित अभिलेख एवं प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी नहीं मिल पायी।

नवीन प्रा0स्वा0केन्द्र शाहगंज, ब्लाक– घोरावल–

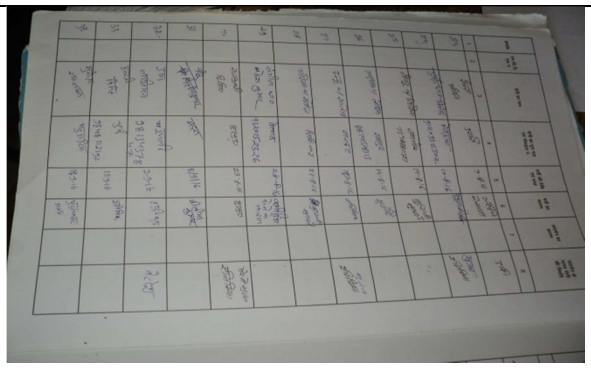

नवीन प्रा0स्वा0केन्द्र शाहगंज टी0एस0यू0 सहायतित एल0– 1 इकाई है, जिसके प्रभारी डा0 प्रेमनाथ के अतिरिक्त केन्द्र पर 01 अन्य चिकित्सक डा0 बी0एन0 त्रिपाठी, एम0ओ0सी0एच0 तैनात है।

प्रसव कक्ष–

माह सितम्बर, 2016 में इकाई पर कुल संस्थागत प्रसव 119 संपादित हुये हैं जो संख्या के हिसाब से संतोषजनक है, किन्तु प्रसव कक्ष मानकों के अनुरूप सुसज्जित नहीं है। तैनात स्टाफ नर्स श्रीमती

शीशम देवी एस0बी0ए0 में प्रशिक्षित हैं किन्तु आवश्यक दक्षता की अत्यधिक कमी प्रतीत हुयी। पूछे जाने पर सम्बन्धित प्रश्नों के संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रही थी। प्रसव एवं ए0एन0सी0 पंजिकाएं अपूर्ण पायी गयी। ए0एन0सी0 वार्ड कार्यभार के हिसाब से सुसज्जित नहीं पाया गया।

परिवार कल्याण सेवाएं–

परिवार कल्याण सेवाओं में केवल 03 आई0यू0सी0डी0 लगायी गयी परन्तु सम्बन्धित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराये गये। तैनात ए0एन0एम0 एवं एल0एच0वी0 टीकाकरण हेतु क्षेत्र भ्रमण पर गयी है बताया गया।

9. टीकाकरण–

नवीन प्रा0स्वा0केन्द्र की कोल्डचेन सामु0स्वा0केन्द्र घोरावल पर स्थापित है। सम्बन्धित रिकार्ड भी सामु0स्वा0केन्द्र घोरावल पर उपलब्ध बताया गया जिसको अवलोकित नहीं किया जा सका।

जिला संयुक्त चिकित्सलाय, सोनभद्र–

जिला संयुक्त चिकित्सालय एफ0आर0यू0 एल0– 3 इकाई है, जिसके प्रभारी डा0 गणेश प्रसाद के अतिरिक्त केन्द्र पर 21 अन्य चिकित्सक तैनात है, परन्तु कोई महिला विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात नहीं है।

प्रसव कक्ष–

माह अगस्त, 2016 में इकाई पर कुल संस्थागत प्रसव 112 संपादित हुये हैं जिसमें 01 प्रसव जुड़वा है। कुल 06 मृत जन्म हुये है। 03 नवजात शिशु तथा 01 मातृ मृत्यु हुयी है। 34 केशों को अस्पताल से बाहर संदर्भित किया गया है। प्रसव कक्ष में 02 स्टाफ नर्स एस0बी0ए0 प्रशिक्षित है। सीजीरियन आपरेशन नहीं किये जा रहे हैं। प्रसव कक्ष में मानक के अनुरूप 07 ट्रेज उपलब्ध है, परन्तु विसंक्रमण की दृष्टि से स्थिति संतोषजनक नहीं है। लाभार्थियों से सम्बन्धित रिकार्ड बी0एच0टी0 आदि अधुनान्त नहीं है।

परिवार कल्याण सेवाएं–

परिवार कल्याण सेवाओं में 08 स्टाफ नर्स पी0पी0आई0यू0सी0डी0 हेतु प्रशिक्षित हैं। अगस्त माह में 44 पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगायी गयी है। बन्ध्याकरण सम्बन्धी सेवाएं प्रदान नहीं की गयी है। अवगत कराया गया कि इस माह में प्रसवोत्तर केन्द्र पर बन्ध्याकरण शुरू किया गया है।

टीकाकरण–

	जिला संयुक्त चिकित्सालय में समस्त एन्टीजेन्स आई0एल0आर0 में संग्रहित है। ए0एन0एम0 द्वारा नवजात शिशुओं का टीकाकरण किया जा रहा है।

एस0एन0सी0यू0–

एस0एन0सी0यू0 में 12 रेडियेन्ट वार्मर क्रियाशील हैं परन्तु भ्रमण के समय मात्र 01 शिशु भर्ती पाये गये जिसको म्यूकोनियम एक्सपाइरेशन के कारण भर्ती किया गया है। वर्तमान में भर्ती शिशु की स्थिति संतोषजनक बतायी गयी। डा0 बलराम सिंह एवं डा0 सुरेश कुमार वर्मा जो कि सेवा निवृत्ति के उपरान्त पुनर्योजन की व्यवस्था के तहत तैनात किये गये हैं के द्वारा एस0एन0सी0यू0 का कार्य देखा जाता है।

एन0आर0सी0–

	10 बेड की एन0आर0सी0 जिला संयुक्त चिकित्सालय के प्रथम् तल पर स्थापित है, जिसमें भ्रमण के समय 05 कुपोषित बच्चे भर्ती हैं। रिकार्डो के अवलोकन पर ज्ञात हुआ कि इस माह में एन0आर0सी0 में भर्ती 01 बच्चें की मृत्यु हुयी है। चिंकी नाम का बच्चा जिसका भर्ती के समय वजन 6.04 किलोग्राम था तथा माल्यूट्रेशन स्टैटस एस0डी0 –35 था को दिनांकः 13.09.2016 को 6.900 किलोग्राम वजन पर डिस्चार्ज किया गया।

हौसला ट्रेनिंग सेन्टर–

	हौसला ट्रेनिंग सेन्टर स्थापित किया गया है जिसमें एस0के0 चतुर्वेदी मिनीलैप के मास्टर ट्रेनर, डा0 पूजा पाठक टी0क्यू0एम0 एवं वर्षा श्रीवास्तव समन्वयक के पद पर तैनात है। वर्तमान में मिनीलैप प्रशिक्षण पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है जिसमें डा0 फिरोज आबदीन एवं डा0 दया शंकर द्वार प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है। भ्रमण के समय प्रशिक्षणार्थी मौजूद नहीं थे।

रेडियोलाजी विभाग–

डिजिटल एक्सरे मशीन क्रियाशील नहीं है, जिसके सम्बन्ध में सम्बन्धित कम्पनी से दिनांकः 10.09.2016 को पत्राचार किया गया है। एक्सरे टेक्निशियन बलिराम द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में भी मशीन के संचालन में आ रहे टेक्निकल परेशानियों के कारण सेवाएं बाधित रही है।

अल्ट्रासाउण्ड मशीन स्थापित है जिसका अक्टूबर, 2018 तक रजिस्ट्रेशन मान्य है। फार्म एफ0 के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट नहीं हो पायी। तैनात रेडियोलाजिस्ट डा0 के0के0 राय से समस्त गर्भवती महिलाओं के परीक्षण के दौरान फार्म एफ0 के निर्धारित प्रारूप पर अधुनांत करने हेतु अनुरोध किया गया।

वित्तीय प्रगति–

रिपोर्टिंग माह में आर0के0एस0 से सम्बन्धित खर्चे नहीं किये गये है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 629 जे0एस0वाई0 लाभार्थियों के सापेक्ष 347 लाभार्थियों का भुगतान किया गया है।

राज्य स्तर की टीम द्वारा जनपद स्तर के अधिकारियों के साथ किये गये भ्रमण की पूर्ण आख्या से मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आर0बी0 गौतम, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 गणेश प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 बी0के0 अग्रवाल, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 डी0के0 सिंह एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष में बैठक आयोजित की गयी, जिसमें भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों से एवं उनके सम्भावित निराकरण से अवगत कराया गया। टीम द्वारा भ्रमण किये गये केन्द्रो पर पूर्व सूचना के उपरान्त भी रिकार्ड अवलोकन हेतु उपलब्ध नही कराये जाने पर असंतोष जिला स्तरीय अधिकारियो से व्यक्त किया गया तथा अनुरोध किया कि राज्य सतर से भ्रमण करने वाली टीमो हेतु रिकार्ड उपलब्ध कराया जाना आवश्यक हैए इस संबंध में चिकित्सा ईकाईयो के प्रभारी/ अधीक्षको को आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये जाये। भ्रमण किये गये केन्द्रो पर पायी गयी कमियों एवं सम्भावित निराकरणों का पूर्ण विवरण संलग्नित चेकलिस्टों में अंकित किया गया है।